श्रेष्ठ सुप्रभात

मूल कारण को खोजे बिना समस्या का समाधान कभी नहीं हो सकता।

-आचार्य महाश्रमण

NEXT

NEWS EXCELLENT TODAY

तापमान (डिग्री सेल्सियस)

	अधिकतम	न्यूनतम
श्री डूंगरगढ़	24.0	5.0
बीकानेर	23.0	5.0
जयपुर	22.0	10.0

E- Paper NEXT 0008

newsexcellenttoday.com | 19 दिसंबर 2024, गुरुवार | मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष पंचमी - 2081

आज के कार्यक्रम

जिला स्तरीय जनसुनवाई

NEXT। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनसुनवाई आज सुबह 10:30 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जाएगी।

सुशासन सप्ताह आज

NEXT। आज सुशासन सप्ताह का आयोजन पंचायत समिति खाजूवाला और कोलायत में आयोजित होगा।

श्रीडूंगरगढ़ में रामकथा

NEXT। श्रीडूंगरगढ़ के माहेश्वरी भवन, आडसर बास में दोपहर 1 से 5 बजे तक रामकथा का आयोजन होगा।

भागवत कथा श्रीडूंगरगढ़ में

NEXT। कालूबास स्थित नेहरू पार्क में दोपहर 1बजे से शाम 5बजे तक भागवत कथा आयोजित होगी।

जयपुर में हुए विरोध प्रदर्शन में क्षेत्र के नेताओं ने निभाई अपनी भागीदारी

NEXT। अडानी, मणिपुर एवं भाजपा सरकार के कई मुद्दों के खिलाफ बुधवार को शहीद स्मारक, जयपुर में प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में आयोजित धरना प्रदर्शन एवं राजभवन मार्च में श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र के नेताओं ने भागीदारी निभाई। पूर्व विधायक मंगलाराम गोदारा, पीसीसी सदस्य हरीराम बाना, कांग्रेस नेता केसरराम गोदारा सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। हरिराम बाना ने जानकारी देते हुए बताया कि मोदी सरकार ने हमेशा किसान, मज़दूर और आमजन के हितों की बलि दी है। केंद्र हो या राज्य हर मोर्चे पर विफल भाजपा सरकारें सदन से सड़क तक जनता की आवाज़ को कुचलना चाहती है। पूर्व विधायक मंगलाराम गोदारा ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह द्वारा

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर को लेकर की गई टिप्पणी निंदनीय है। गृह मंत्री की टिप्पणी भाजपा की संविधान और बाबासाहेब अम्बेडकर विरोधी सोच को उजागर करती है इसलिए ही उन्हें बाबासाहेब अम्बेडकर का नाम सुनने में भी आपत्ति हो रही है। मणिपुर में हालात बहुत ज्यादा खराब है , लेकिन सरकार ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। प्रधानमंत्री को वहां जाकर समस्या का समाधान करना चाहिए।

केसरराम ने कहा कि देश की संपत्ति चुनिंदा लोगों के हाथ में सौंपी जा रही है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था कमजोर हो रही है।

शिक्षा विभाग ने कसा सरकारी शिक्षकों पर शिकंजा

NEXT। शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों के शिक्षकों पर बड़ा शिकंजा कसा है। विभाग ने आदेश जारी किया है जिसमें अब सरकारी स्कूलों के शिक्षक ट्यूशन और कोचिंग सेंटर में पढ़ा नहीं सकेंगे।

विभाग के इस आदेश का सरकारी शिक्षकों ने विरोध करना शुरू कर दिया है। शिक्षकों का कहना है कि कोचिंग संस्थानों पर लगाम कसने की जगह विभाग शिक्षकों पर दबाव बना रहा है। अगर शिक्षा विभाग ने जल्द ही आदेश वापिस नहीं लिया तो राज्य स्तर पर आंदोलन करेंगे। शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। सरकारी शिक्षकों की ओर से ट्यूशन और कोचिंग में पढ़ाने के प्रकरण सामने आने के बाद शिक्षा निदेशक ने इस प्रवृत्ति को रोकने के गाइडलाइन जारी की है। गाइडलाइन के मुताबिक शिक्षा सत्र शुरू होते ही सभी सरकारी विषय अध्यापकों को ट्यूशन नहीं पढ़ाने का शपथ पत्र देना होगा।

शिक्षक और कार्मिक की ओर से विभाग की स्वीकृति के बिना स्वयं के निजी कोचिंग सेंटर चलाने की शिकायत मिलने के बाद सभी संस्था प्रधानों को ऐसे शिक्षकों को चिह्नित करने के आदेश दिए हैं। वहीं शिकायत मिलने पर संबंधित शिक्षकों के खिलाफ राजस्थान सिविल सेवा नियम 1958 तथा राजस्थान सिविल सेवा (आचरण) नियम-1971 के तहत कार्रवाई की जाएगी। वहीं संबंधित डीईओ माध्यमिक को स्कूल के निरीक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं से व्यक्तिगत संपर्क कर वस्तुस्थिति की जानकारी लेने के निर्देश दिए हैं।शिक्षक उच्च माध्यमिक कक्षाओं के दो और उच्च प्राथमिक कक्षाओं के तीन स्टूडेंट्स को शिक्षक ट्यूशन पढ़ा सकेंगे। इसके लिए संबंधित शिक्षक को अपने संस्था प्रधान से अनुमति लेनी होगी। निर्धारित छात्र संख्या से अधिक पर अनुमति नहीं मिलेगी।

हर महीने पढ़ाए गए पाठ्यक्रम की देनी होगी रिपोर्ट

सभी विषयों का पाठ्यक्रम समय पर पूरा हो इसके लिए संस्था प्रधान सभी शिक्षकों से हर महीने पढ़ाई गए पाठ्यक्रम की लिखित रिपोर्ट उनसे प्राप्त करेंगे। जो अध्यापक इस संबंध में किसी भी तरह की कोताही बरतेंगे उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

साइंस, गणित, अंग्रेजी में ट्यूशन की प्रवृत्ति अधिक

सरकारी स्कूल में अमूमन 10वीं में गणित, विज्ञान अंग्रेजी तथा सीनियर सैकंडरी स्कूलों साइंस, कामर्स के ऐच्छिक विषयों में ट्यूशन की प्रवृत्ति अधिक रहती है। सामान्य तौर पर इन विषयों के अधिकतर अध्यापक स्कूलों में ट्यूशन प्रवृत्ति को लेकर स्कूलों में एकाग्रचित्त होकर नहीं पढ़ाते, मजबूरन छात्रों को उनके घर ट्यूशन के लिए जाना पड़ता है।

इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए शिक्षा विभाग ने पूर्व में भी आदेश जारी किए थे। अब नए सिरे से फिर आदेश जारी किए गए हैं।

NEXT एक देश, एक चुनाव जाने आसान भाषा में

एक देश एक चुनाव के बारे में पूरे देश में पूरे देश में चर्चा छिड़ी हुई है। स्टूडेंट, गृहणी, बुजुर्ग और हर एक व्यक्ति को इसका जानना जरूरी है कि आखिर एक देश एक चुनाव कैसे देश के लिए बेहतर साबित होंगे और कैसे इसका बिल पास होगा। तो आइए, जानते है NEXT के साथ।

एक देश, एक चुनाव के लिए लोकसभा में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल द्वारा मंगलवार को 129वां संविधान संशोधन बिल पेश किया गया। संसद में इसके लिए वोटिंग भी हुई जिसमें इसके पक्ष में 269 वोट और विपक्ष में 198 वोट पड़े। बिल को पास करने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी, जो साबित नहीं हुआ। अब इसे जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) को भेजा जा सकता है। जिससे इस पर सार्थक चर्चा हो सकती है।

पक्ष का क्या कहना है? शासन में निरंतरता को बढ़ावा मिलेगा।नीतिगत निर्णय लेने में देर नहीं होगी।सरकारी अधिकारी और सरकारी संस्थाएं अपनी प्राथमिक भूमिकाओं पर ज्यादा ध्यान दे पाएंगे।क्षेत्रीय दलों की प्रासंगिकता बनी रहेगी।राजनीतिक अवसरों में वृद्धि होने की संभावना।वित्तीय बोझ में कमी आएगी।

विपक्ष का क्या कहना है? यह राज्यों की शक्ति कम करने वाला साबित होगा। संविधान के मूल ढांचे के विरुद्ध है।विधानसभा की स्वायत्तता को इस बिल से खतरा बताया।

अगर एक साथ चुनाव होते हैं तो क्रियान्वयन कैसे होगा? सरकार की तीन स्तरों के लिए एकल मतदाता सूची बनेगी। लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ होंगे।

इनके चुनाव के 100दिनों के भीतर नगर निकाय और पंचायतों के चुनाव साथ होंगे।

साइबर जागरूकता एपिसोड 02 साइबर स्लेवरी

NEXT सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

साइबर फ्रॉड दिनोंदिन भारत में अपना पैर पसार रहा है। NEXT ऐसे ही साइबर फ्रॉड से आमजन को सावचेत करने के उद्देश्य के साथ साइबर जागरूकता के एपिसोड चला रहा है। आज हम जानेंगे साइबर स्लेवरी के बारे में। जुड़े रहिए NEXT के साथ और जाने ऐसे स्कैम से बचने के उपाय।

साइबर स्लेवरी होता क्या है?

इसके अन्तर्गत रोजगार के नाम पर साइबर अपराधियों द्वारा पढ़े- लिखे व तकनीकी प्रशिक्षित युवाओं को मोटी तनख्वाह का झांसा देकर दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों में आईटी क्षेत्र में रोजगार के लुभावने अवसर देकर फंसाया जाता है।

कैसे बनाते हैं स्लेवरी यानि गुलाम

साइबर अपराधी बेरोजगारों और प्रशिक्षित युवाओं को एकबार विदेश बुलाने में सफल हो जाते हैं तो बाद में वहां उनके पासपोर्ट व अन्य परिचय पत्र छीन

लिए जाते हैं। अब वह युवक एक बंधक बनकर रह जाता है। अब साइबर अपराधी उनके द्वारा जबरदस्ती साइबर क्राइम को अंजाम दिलवाते हैं।

भारतीय युवा ही क्यों?

साइबर अपराधी भारतीय युवाओं को अपना निशाना बनाते है। क्योंकि भारतीय युवक को गुलाम बनाकर उससे भाषा के आधार पर भारत में साइबर फ्रॉड करवाया जाता है। फ्रॉड करने वाले की भाषा भारतीय होने से सामने वाला आसानी से इनके चंगुल में फंस जाता है।

विधायक ने पुष्कर में सीएम से की शिष्टाचार भेंट, गीता पाठ में शामिल हुए

NEXT। पुष्कर में बुधवार को आयोजित गीता पाठ एवं श्रद्धा सुमन अर्पण कार्यक्रम में कई प्रमुख नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। यह कार्यक्रम राजस्थान भाजपा के पूर्व संगठन मंत्री एवं तेलंगाना के संगठन मंत्री चंद्रशेखर की माता के निधन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया

था।कार्यक्रम में श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित की और इसके साथ ही वहां मौजूद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम से शिष्ट भेंट की।ताराचंद सारस्वत के साथ उनके पुत्र राजेश सारस्वत ने भी इन नेताओं से संवाद किया।

शहीद कैप्टन चन्द्र चौधरी के पैतृक गांव में लगेगा रिटायर्ड एयरक्राफ्ट

NEXT। शहीद कैप्टन चंद्र चौधरी की स्मृति और उनके बलिदान को समर्पित एक महान पहल करते हुए भारतीय वायु सेना द्वारा उनके पैतृक गांव बिग्गाबास रामसरा में रिटायर्ड एयरक्राफ्ट स्थापित किया जा रहा है। यह शहीद की स्मृति को जीवंत रखने का प्रयास रखने के साथ क्षेत्र के बच्चों और युवाओं को देशभक्ति और सेवा की प्रेरणा भी देगा।

यह अलॉटमेंट शहीद की स्मृति में किया गया है, जो उनके परिवार और क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। पहले से ही गांव में स्थापित शहीद स्मारक, टैंक विजनत और अन्य स्मृतिचिह्न इस बात का प्रमाण हैं कि उनके बलिदान को हमेशा याद किया जाएगा।

आज ही NEXT की साइट का विजिट करें और जुड़ें रहिए NEXT से...

महंगे ब्याज के चक्कर में खोया मूल, अब भूख हड़ताल की चेतावनी

NEXT। महंगें ब्याज का लालच देकर लाखों रुपये डकारने वाली एक निजी कंपनी के खिलाफ निवेशकों ने मोर्चा खोल दिया है। पीड़ित निवेशकों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी है कि अगर हमारी समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो भूख हड़ताल करेंगे।पीड़ित निवेशक रामकिशन माली ने बताया कि करीब 13 वर्ष पूर्व कंपनी ने महंगे ब्याज का लालच देकर झांसा दिया, जिसमें उसने हजारों रुपये निवेश किए। इसके बाद कंपनी के आलाधिकारियों ने दूसरे निवेशकों के रुपये भी निवेश करवाए।श्रीडूंगरगढ़ कस्बे समेत आसपास के क्षेत्र से सैंकड़ों लोगों ने छह साल के लिए लाखों रुपये निवेश करवाए। झांसे के तहत कंपनी ने रामकिशन माली को एजेंट घोषित किया। कंपनी ने एजेंट के माध्यम से अन्य निवेशकों के लाखों रुपये निवेश भी करवाए।निवेश के छह साल पूरे होने के बाद जब निवेशकों ने कंपनी के दफ्तरों में संपर्क

किया तो उन्होंने जवाब देने से मना कर दिया। निवेशकों का आरोप है कि कंपनी ने अपने ऑफिस बंद कर दिए। उसके बाद से निवेशक अपनी मूल रकम लेने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं।एजेंट रामकिशन का कहना है कि कंपनी से पीड़ित निवेशक रुपये लेने के लिए उन पर मानसिक दबाव बना रहे हैं। बुधवार को पीड़ित निवेशकों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि अगर हमारे खून पैसे की कमाई वापिस नहीं मिली तो वे भूख हड़ताल पर बैठ जाएंगे। इस दौरान संजय कुमार दुबे, सुभाष प्रजापत, राजेन्द्र पुरोहित, पूर्व पार्षद नानूराम, रवि सुनार, संतोष प्रजापत, धर्मादेवी, रोशन सहित अन्य पीड़ित निवेशक मौजूद रहे।